Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 30-July-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- **नैतिकता विधि के लिए किस प्रकार से पूरक का कार्य करता है? चर्चा कीजिए।**

(150 शब्द, 10 अंक)

How ethics complements law? Discuss.

(150 Words, 10 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

कानून की स्थापना का उद्देश्य लोगों के आचरण में अनुशासन लाना है और इस अनुशासन का आधार और उद्देश्य नैतिक समाज की स्थापना है। इस प्रकार नैतिकता विधि के पूरक के रूप में मौजूद रहे, जिसे निम्न तर्कों द्वारा देखा जा सकता है।

मुख्य विषय वस्तु-

- नैतिकता एक व्यक्ति के सापेक्ष दूसरे व्यक्ति के अधिकारों को सुरक्षित रखने का कार्य करता है।
- समाज में शांति स्थापना के लिए कानून अनुशासन पर बल देता है, जिसको नैतिक आधार, नैतिकता उपलब्ध कराता है।
- नैतिकता उदारता, प्रेम और सौहार्द के द्वारा व्यक्ति को आंतरिक सुधार के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देता है।
- किसी भी राष्ट्र की सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक तथा आर्थिक उन्नति का आधार अनुशासन है, जिसे कानून दण्डात्मक कार्यवाही द्वारा बनाये रखने का प्रयास करता है, जबकि नैतिकता व्यक्ति को आत्मनियंत्रण के द्वारा अनुशासन लाने का प्रयास करता है।

नैतिकता और विधि-

नैतिकता और विधि दोनों समाज में शांति स्थापित करने का प्रयास करती है। नैतिकता जहाँ एक मानवीय आधार पर कार्य करता है, जो व्यक्ति के अंदर समाज द्वारा संस्कारों पर निर्भर करता है, जबकि विधि एक बाह्य आरोपित दण्डात्मक अवधारणा है।

जब मानव लोभ और ईर्ष्या बस विधि का दुरूपयोग करता है। ऐसे में नैतिकता उसके नैतिक कर्तव्यों के बोध द्वारा विधि के पूरक का कार्य करती है।

वर्तमान परिवेश में बढ़ते साम्प्रदायिक, धार्मिक आतंकवाद के कारण विधि धार्मिक सौहार्द स्थापित करने में विफल हो रही है। ऐसे में नैतिकता विधि के पूरक की भूमिका में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *

GS World Committed To Excellence